

जनादेश 2024

लोकसभा चुनाव 2024 नतीजे

543

भाजपा

290

अन्य

17

कांग्रेस

235

नरेन्द्र मोदी

152513

राहुल गांधी

647445

वायनाड

कुल वोट

687649

राय बरेली

तीसरी बार जीते चुनाव नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। वाराणसी लोकसभा सीट से नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को भारी मर्तों से हराया है। चुनाव आयोग के जारी आंकड़ों के अनुसार, नरेंद्र मोदी को 612970 वोट मिले हैं तो वहीं कांग्रेस के अजय राय को 460457 वोट मिले हैं। 1,52,513 वोटों से हराया है।

प्रत्याशी

कुल वोट

नैतिन गड़करी

652411

अमित शाह

1010972

राजनाथ सिंह

572918

शिवराजसिंह चौहान

1116460

पीयूष गोयल

673828

ज्योसना महंत

569230

वृजमोहन अग्रवाल

1030749

लोकसभा चुनाव में आए जनादेश ने सारे अनुमानों को कर दिया ध्वस्त

बिना किसी लहर के आम चुनाव में सत्ता के खिलाफ अंडर करंट ने देश को चौंकाया

नई दिल्ली/रायपुर/नवप्रदेश। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनाव में आए जनादेश ने सारे अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। रुझानों में भाजपा 250 तक भी नहीं पहुंच पा रही। अंतिम नतीजे आने तक वह एनडीए के सहयोगी दलों की मदद से 290 से ऊपर जा सकती है। इस जनादेश में कई सवाल खड़े हैं। यह जनादेश किसकी जीत, किसकी हार हुई पूरे परिणाम आने के बाद पता चल जाएगा लेकिन अब 10 साल बाद गठबंधन सरकार का दौर लौट रहा है।

राहुल बोले- देश मोदी-शाह को नहीं चाहता

खड्गे ने कहा- भाजपा ने एक व्यक्ति के नाम पर वोट मांगे, यह उनकी हार

नई दिल्ली। लोकसभा की 543 में से 542 सीटों पर काउंटिंग जारी है। रुझानों में भाजपा बहुमत से दूर है। उसे 32 से ज्यादा सीटों का नुकसान दिख रहा है। 2019 में पार्टी को 303 सीटें मिली थीं। हालांकि, एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। रुझानों में एनडीए 298 और आईएनडीआई 228 सीटों पर आगे है। रुझानों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में एनडीए को नुकसान दिख रहा है। लखनऊ के रामबाई इलाके के काउंटिंग सेंटर पर भाजपा और सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस बीच 100 सीटें मिलने के बाद कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने कहा कि ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे मांडे में था कि जब हमारा अकाउंड सीज किया, सीएम को जेल में डाला तब मेरे मांडे में था, जनता संविधान बचाने लड़ेगी। उन्होंने कहा कि देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। जनता से इंडिया गठबंधन के पार्टनर को और अपने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं।

कल होगी एनडीए के घटक दलों की बैठक

शाह, नीतीश कुमार, चंद्रबाबू सहित कई बड़े नेता होंगे शामिल

नई दिल्ली। लोकसभा की 543 में से 542 सीटों पर काउंटिंग जारी है। रुझानों में भाजपा बहुमत से दूर है। उसे 32 से ज्यादा सीटों का नुकसान दिख रहा है। 2019 में पार्टी को 303 सीटें मिली थीं। हालांकि, एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। रुझानों में एनडीए 298 और आईएनडीआई 228 सीटों पर आगे है। रुझानों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में एनडीए को नुकसान दिख रहा है। लखनऊ के रामबाई इलाके के काउंटिंग सेंटर पर भाजपा और सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस बीच 100 सीटें मिलने के बाद कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने कहा कि ये लड़ाई संविधान को बचाने की थी। मैं सच बताऊं तो मेरे मांडे में था कि जब हमारा अकाउंड सीज किया, सीएम को जेल में डाला तब मेरे मांडे में था, जनता संविधान बचाने लड़ेगी। उन्होंने कहा कि देश मोदी-शाह को नहीं चाहता। जनता से इंडिया गठबंधन के पार्टनर को और अपने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं।

‘भारत के इतिहास में ये अभूतपूर्व पल: मोदी

ओडिशा में भाजपा 81 सीटों पर आगे, बीजद 49 सीटें पर अटकी

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए को झटका लगा है और चार सौ पार का नारा देने वाला एनडीए 300 पार के लिए तरस गया है। भाजपा को उत्तर प्रदेश और बंगाल जैसे राज्यों में काफी नुकसान झेलना पड़ा, साथ ही महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा है। पीएम मोदी ने चुनाव नतीजों के बाद जनता का आभार प्रकट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिवारजनों को नमन करता हूं।

भुवनेश्वर। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ गए हैं। इसके साथ ही ओडिशा विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ गए भाजपा-एनडीए के लिए अच्छी खबर आ सकती है। सभी प्रमुख एंजिट पोल में एनडीए को बहुत दिखाई गई है। ओडिशा में भाजपा को विधानसभा सीटों में भी फायदा मिलता दिख रहा है। अगर एंजिट पोल के अनुमान नतीजों में बदल जाते हैं तो शायद ओडिशा से नवीन पटनायक सरकार की विदाई भी हो सकती है। शुरुआती रुझानों में भाजपा को बहुमत मिला है। उसके खाते में 81 सीटें गई हैं। बीजद भी 49 सीटों पर आगे है। जबकि कांग्रेस के खाते में 13 सीटें गई हैं। वहीं अन्य को चार सीटें मिली हैं। आयोग की वेबसाइट की अनुसार शाम 8 बजे तक नतीजे। अभी काउंटिंग जारी है।

कुल प्रत्याशियों को बहुत एवं बढ़त

कुल 147 पार्टी	जीत	बढ़त	कुल
भाजपा	37	41	78
बीजेडी	27	24	51
कांग्रेस	06	08	14
सीपीआई	00	01	01
निर्दलीय	02	01	03

संसेक्स-निफ्टी लगभग छह-छह प्रतिशत टूटे

मुंबई। आम चुनाव के नतीजों के बीच शेयर बाजार में चार साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई। घरेलू बैंचमार्क इंडेक्स संसेक्स और निफ्टी मंगलवार को लगभग 6% तक गिर गए। चुनाव परिणामों और रुझानों से अब यह साफ हो गया है कि सत्तारूढ़ भाजपा

लोकसभा चुनावों में स्पष्ट बहुमत से दूर है। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला संसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74% की गिरावट के साथ दो महीने से अधिक के निचले स्तर 72,079.05 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में संसेक्स 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत के नुकसान के साथ पांच महीने के निचले स्तर 70,234.43 अंक पर आ गया।

सुविचार

अपनों पर कोई जितना ज्यादा गुस्सा करता है वह उन्हे उतना ही प्यार करता है और वह दिल का साफ होता है। - अज्ञात

जनादेश : सभी के लिए सबक

लोकसभा चुनाव के परिणाम वाकई चौकाने वाले रहे हैं। तमाम खबरिया चैनलों ने मतदान के आखरी चरण के बाद एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ मोदी सरकार बनने का जो पूर्वानुमान लगाया था वह काफी हद तक गलत साबित हुआ। कई खबरिया चैनलों ने एनडीए के चार सौ पार करने का दावा किया था, लेकिन एनडीए मुश्किल से तीन सौ का आंकड़ा छू पाई है। यह चुनाव परिणाम न सिर्फ भाजपा और एनडीए के लिए बल्कि कांग्रेस और आईएनडीआईए के लिए भी सबक है। जहां तक एनडीए का सवाल है तो उसे अतिआत्मविश्वास ले डूबा। खासतौर पर उत्तरप्रदेश में तो भाजपा को करारा झटका लगा है। जहां से भाजपा ने 70 से 75 तक सीटें जितने की उम्मीद पाल रखी थी वहां वह अपने लक्ष्य से आधी सीटें ही जीत पाई। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस से तफट फट लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीत पाये। अमेठी से केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जिन्होंने 2019 में राहुल गांधी को पराजित किया था वे इस बार कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा के हाथों चुनाव हार गईं। जिस अयोग्या को मोदी और योगी सरकार ने चमका दिया है वहां से भी भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ गया। जाहिर है उत्तरप्रदेश के परिणामों ने भाजपा को करारा झटका दिया है। महाराष्ट्र में भी भाजपा को तोड़फोड़ की राजनीति की कीमत चुकानी पड़ी है। बंगाल में भाजपा ने इस बार जमकर मेहनत की थी, लेकिन ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखा दी और भाजपा को पिछले चुनाव से भी कम सीटों पर संतोष करना पड़ा। उत्तरप्रदेश की तरह ही राजस्थान और हरियाणा में भी भाजपा को झटका लगा है जिसके पिछे किसानों का असंतोष नजर आता है। भाजपा ने गुजरात, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ही आशा के अनुरूप प्रदर्शन किया। ओडिशा और झारखंड में भी भाजपा ने अपनी सीटें बढ़ाई है, लेकिन दक्षिण भारत में भी उसे उतनी सीटें नहीं मिल पाई जितनी उसने उम्मीद की थी। आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देवान पार्टी के साथ समझौता कर भाजपा ने वहां अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज कराई है। कुल मिलाकर भाजपा को उसका अतिआत्मविश्वास ही ले डूबा है। यह अलग बात है कि अभी भी भाजपा ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और एनडीए ने लेदेकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इन चुनाव परिणामों से भाजपा को सबक लेने की जरूरत है। बहुत ज्यादा बड़बोलापान और घमंड जनता को पसंद नहीं आता। भाजपा के नेता जिस तरह बड़े बोल बोले रहे थे और चार सौ पार का नारा लगा रहे थे उसे जनता ने स्वीकार नहीं किया। जहां तक आईएनडीआईए का प्रश्न है तो उनके लिए यह सुनहरा मौका था जिसे उन्होंने आपसी कलह के चलते गंवा दिया। उत्तरप्रदेश में ही आईएनडीआईए एकजूट रहा और वहां उसे अच्छी प्रदर्शन मिली, लेकिन अन्य राज्यों में आईएनडीआईए में शामिल राजनीतिक दलों के बीच सामंजस्य का अभाव रहा जिसका उसे खामियाजा भुगतना पड़ा। अन्यथा आईएनडीआईए आज एनटी इनकम बेंसी के कारण सरकार बनाने की स्थिति में आ सकता था। कांग्रेस आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली में समझौता किया था, लेकिन दोनों ने ही एक-दूसरे के प्रत्याशी के पक्ष में ईमानदारी से काम नहीं किया। पंजाब में तो दोनों एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़े थे। इसी तरह बंगाल में भी ममता बनर्जी ने आईएनडीआईए को नकार दिया था। यदि आईएनडीआईए एकजूट रहता तो उसको और ज्यादा सीटें मिल सकती थी। बहरहाल जनता का फैसला सभी को सिरोधार्य करना चाहिए। एनडीए एक बार फिर सरकार बनाने में सफल हो रहा है और आईएनडीआईए एक सशक्त विपक्ष के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। लोकतंत्र में प्रचंड बहुमत वाले सत्ता पक्ष पर अंकुश लगाने के लिए मजबूर विपक्ष का होना निहायत जरूरी है। इस लिहाज से यह जनादेश मत्वपूर्ण हो जाता है अब देखना यह होगा कि एनडीए की सरकार अपने चुनावी वादों को अमलीजामा पहनाकर मतदाताओं की अपेक्षाओं की कसौटी पर कितना खरा उतरकर दिखाती है। इस चुनाव की सबसे बड़ी बात यह रही कि बदनाम होने से बच गई। हालांकि आईएनडीआईए में शामिल कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के नेता अभी भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता यह आरोप लगा रहे हैं कि मारगणना के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री ने अनेक डीएम को फोन कर उन पर अनुचित दबाव डाला है। उनके इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। बहरहाल देश में तीसरी बार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनना भी एनडीए के लिए एक बड़ा उपलब्धि है और एक दशक के बाद कांग्रेस पार्टी का सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरना कांग्रेस के लिए भी संतोष का विषय है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आईएनडीआईए इसी तरह एकजूट रह कर एक सजग विपक्ष की भूमिका निर्वहन करेगा। एनडीए के लिए भी अब सरकार बनना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, क्योंकि भाजपा को एनडीए शामिल अपने सहयोगी दलों को विश्वास में लेकर काम करना होगा। देखना होगा कि भाजपा इस चुनौती का सामना कैसे करती है और देश को एक अच्छी सरकार देने में किस हद तक सफल हो पाती है।

प्रेतक प्रसंग

गुरु-शिष्य

एक नवदीक्षित शिष्य ने अपने गुरु के साथ कुछ दिन व्यतीत करने के बाद एक दिन पूछ- गुरुदेव, मेरा भी मन करता है कि आपकी ही तरह मेरे भी कई शिष्य हों और सभी मुझे भी आप जैसा ही मान-सम्मान दे। गुरु ने मंद-मंद मुस्कुराते हुए कहा- कई वर्षों की लंबी साधना के पश्चात अपनी योग्यता और विद्वता के बलबूते पर तुम्हें भी एक दिन यह सब प्राप्त हो सकता है। शिष्य ने कहा- इतने वर्षों बाद क्यों? मैं अभी ही अपने शिष्यों को दीक्षा क्यों नहीं दे सकता? गुरु ने अपने शिष्य को तख्त से उतरकर नीचे खड़ा होने को कहा। फिर स्वयं तख्त पर खड़े होकर कहा- जरा मुझे ऊपर वाले तख्त पर पहुंचा दो।

- शिष्य विचार में पड़ गया। फिर बोला- गुरुदेव ! भला मैं खुद नीचे खड़ा हूं, फिर आपको ऊपर कैसे पहुंचा सकता हूं? इसके लिए तो पहले कुछ मुझे ही ऊपर आना होगा। गुरु ने मुस्कुराकर कहा- ठीक इसी प्रकार यदि तुम किसी को अपना शिष्य बनाकर ऊपर उठाना चाहते हो, तो तुम्हारा उच्च स्तर पर होना भी आवश्यक है। शिष्य गुरु का आशय समझ गया। वह उनके चरणों में गिर गया।

आज का पंचांग

				बुध-14	
बुध	11	10	सूर्य-शुक्र-शनि	9	8
9	15	राहु	13-15		
14			चन्द्र-केतु		6
मंगल	3		5		

सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त : 19:09, चन्द्रोदय: 28:16, चन्द्रास्त: 17:00, अयन : उत्तरायण, ऋतु: ग्रीष्म, शक सम्वत: 1946 (ऋथी), विक्रम सम्वत: 2081 (कालचुक्र)
पिंगल, संवत्सर : ऋथी, संवत्सर :(उत्तर) कालचुक, युगाब्द : (कलि संवत्) 5126, मास : ज्येष्ठ, पक्ष : कृष्ण, तिथि : चतुर्दशी, नक्षत्र : कृत्तिका, योग : सुकर्म, प्रथम करण : गर

(11:08 तक), द्वितीय करण : वणिज (22:01 तक)।

॥ गोचर ग्रहा॥

सूर्य : वृष, चंद्र : वृष (28:14 से), मंगल: मेष (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृष (अस्त, पूर्व, वक्त्री), गुरु : वृष (उदय, पूर्व, मार्गी), शुक : वृष (अस्त, पूर्व, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, मार्गी), राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार
अभिजित मुहूर्त : 11:59 से 12:52, राहुकाल : 12:00 से 13:30, यमुकण्ड : 10:44 से 12:25, दुर्मुहूर्त : 08:23 से 09:17, अमृत काल : 18:05 से 19:35, सर्वार्थसिद्धि योग:



योगेश कुमार गोयल

प्रकृति कभी समुंद्री तूफ़ान तो कभी गूँकण, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियाँ देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक पिता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। ‘प्रदूषण मुक्त साँसें’ पुस्तक’ में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फँस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी माँ के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढेरों बहुमूल्य चीज़ें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1507 में 5 जून को ही इंगलैंड और नीदरलैंड व्यापार समझौते पर सहमत हुए थे। 1659 में आज ही के दिन मुगल साम्राज्य का शासक औरंगजेब आधिकारिक रूप से दिल्ली की बड़ी पर बैठा था। 1661 में आज ही के दिन महान वैज्ञानिक आइज़क न्यूटन ने कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में दाखिला लिया था। 1664 में 5 जून को ही मुस्तफ़ को द्वितीय तुर्की का सुल्तान बनाया गया था। 1846 में आज ही के दिन अमेरिका में पिनाडेरेफ़्का और बाटर्मीोर के बीच टेलीग्राफलाइन की शुरुआत हुई थी। 1875 में 5 जून को ही अमेरिका के सेन फ़्रांसिस्को में पैसिफ़िक स्टॉक एक्सचेंज की शुरुआत हुई थी। 1912 में आज ही के दिन अमेरिही नौसेना ने वयुबा पर तीसरी बार हमला किया था। 1915 में 5 जून को ही डेनमार्क ने अपने संविधान में संशोधन कर महिलाओं को वोट का अधिकार दिया था। 1924 में आज ही के दिन अल्वरेट एलेगेंडरसन ने अटलांटिक महासागर के पार पहला फ़ैक्स भेजा था। 1972 में आज ही के दिन विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन से हुई थी। 1977 में 5 जून को ही ऐपल ने ऐपल II कंप्यूटर को पेश किया था।

अभिव्यक्ति

चिंता का सबब बनता पर्यावरण का डगमगाता संतुलन

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में ‘विश्व पर्यावरण दिवस’ मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था।

पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरुआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रसूचित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बाद दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अर्पक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में

निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त साँसें’ में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है



कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज़्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं।

मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सीगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छेड़ने

पाठकों की बात

कुछ तो आँखों में नमी

कुछ तो आँखों में नमी रहने दे ये कोई जरूरी तो नहीं के सारी हया को जमींदोज कर दिया जाये कभी-कभी नाजुक पलकों से शीशे की किरचें भी उठनी पड़ती हैं

- **रामकिशोर उपाध्याय**

यहां ज़िन्दगी तमाम

यहां ज़िन्दगी तमाम हो जाती है सुबह से शाम हो जाती है दो -जून की रोटी कमाने में पिता का कमर टूट जाता है परिवार की खुशी के लिए बंजर भूमि में भी सोना उगा लेता है ज़िंदगी की हर दर्द को आँखों में छुपा लेता है जीवन के तराने मन ही मन गुन गुना लेता हंयते हुए हर रोज दो - जून की रोटी तलाश लेता है

- **लक्ष्मीनारायण लहरे**

QUIZ TIME

1) ग्रीन मफ़्लर किस प्रदूषण से संबंधित है?

2) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अधिकतम आयु सीमा कितनी होती है?

3) इंटरनेट और सोशल मीडिया में

आरएसएस का क्या मतलब है?

4) लावी मेले के लिए कौन सा प्रदेश प्रसिद्ध है?

5) प्रथम भारतीय महिला सैनिक स्काई डाइवर कौन है?



1. क़ाबुल 2. मज़ 3. अफ़ग़ानिस्तान 4. पाकिस्तान 5. ईरान 6. तुर्कमेनिस्तान 7. ताजिकिस्तान 8. उज़्बेकिस्तान 9. क़ज़ाक़िस्तान 10. मंगोलिया 11. चीन 12. रूस 13. यू.एस.ए. 14. फ़्रांस 15. जर्मनी 16. इंग्लैंड 17. स्वीडन 18. स्वीट्ज़रलैंड 19. ऑस्ट्रिया 20. बेल्जियम 21. नीदरलैंड्स 22. डेनमार्क 23. फ़िनलैंड 24. स्लोवाकिया 25. स्लोवेनिया 26. स्पेन 27. पुर्तग़ाल 28. ग्रीस 29. रोमानिया 30. बल्गेरिया 31. हंगरी 32. चेकोवा 33. पोलैंड 34. लीतुआ 35. लात्विया 36. एस्टोनिया 37. लिथुआनिया 38. माल्टा 39. सिलोव्हाकिया 40. क्रोएशिया 41. सर्बिया 42. मोंटेंग्रो 43. बोस्निया 44. स्लोवेनिया 45. मैसेडोनिया 46. अल्बानिया 47. यूनान 48. तुर्की 49. अज़रबैजान 50. आर्मेनिया 51. ज़र्जिया 52. उज़्बेकिस्तान 53. क़ज़ाक़िस्तान 54. तुर्कमेनिस्तान 55. ताजिकिस्तान 56. क़िरग़िस्तान 57. ताजिकिस्तान 58. ताजिकिस्तान 59. ताजिकिस्तान 60. ताजिकिस्तान 61. ताजिकिस्तान 62. ताजिकिस्तान 63. ताजिकिस्तान 64. ताजिकिस्तान 65. ताजिकिस्तान 66. ताजिकिस्तान 67. ताजिकिस्तान 68. ताजिकिस्तान 69. ताजिकिस्तान 70. ताजिकिस्तान 71. ताजिकिस्तान 72. ताजिकिस्तान 73. ताजिकिस्तान 74. ताजिकिस्तान 75. ताजिकिस्तान 76. ताजिकिस्तान 77. ताजिकिस्तान 78. ताजिकिस्तान 79. ताजिकिस्तान 80. ताजिकिस्तान 81. ताजिकिस्तान 82. ताजिकिस्तान 83. ताजिकिस्तान 84. ताजिकिस्तान 85. ताजिकिस्तान 86. ताजिकिस्तान 87. ताजिकिस्तान 88. ताजिकिस्तान 89. ताजिकिस्तान 90. ताजिकिस्तान 91. ताजिकिस्तान 92. ताजिकिस्तान 93. ताजिकिस्तान 94. ताजिकिस्तान 95. ताजिकिस्तान 96. ताजिकिस्तान 97. ताजिकिस्तान 98. ताजिकिस्तान 99. ताजिकिस्तान 100. ताजिकिस्तान

आज का राशिफल



मेष: आज आप अपने मन की इच्छा पूर्ति को सर्वोपरी रखेंगे **वृष**: आज का दिन आपके दिलो

हानिकर रहेगा। आज किसी ना किसी रूप में आपके विचार कार्य उल्टा ही पल देंगे।

मिथुन: आज के दिन स्थिति हर प्रकार से आपके पकड़ में रहेगी। कार्य क्षेत्र हो या घर किसी की भी नाराज होने का अवसर नहीं देगे।

कर्क: आज आप केवल अपने मन की ही सुनेंगे घर में यह व्यवहार अशांति करा सकता है लेकिन कार्य क्षेत्र पर इससे लाभ ही होगा।

सिंह: आज के दिन आप निश्चिन्त होकर अपने कार्यों को करेंगे धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी पूजा-पाठ के लिए समय निकाल लेंगे मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे विरोधियों की बातों की अनदेखी करेंगे।

कन्या: आज दिन के आरंभिक भाग में किसी कार्य को करने की जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है आज धैर्य से सौध विचार कर काम करने पर ही व्यवसाय अथवा अन्य कार्यों से लाभ पाया जा सकता।

तुला: आज के दिन शुभ संयोग बन रहे है प्रातः काल में कुछ समय के लिये धन अथवा अन्य कारणों से मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक: आज के दिन वृद्धिकारक

योग बन रहे है। शारीरिक रूप से चुस्त रहने का लाभ कार्य क्षेत्र पर मिलेगा। **धनु**: आज के दिन आप अपने बुद्धिबल से धन के साथ सम्मान भी पाएंगे। सामाजिक क्षेत्र में प्रचारसारिक क्षेत्र पर आपके विचार पसंद किए जाएंगे।

मकर: आज के दिन आप अपनी ही गलतियों से लोगों के अपराध सुनेंगे फिर भी व्यवहार में बदलाव नहीं आने से लाभला हाथपाई तक पहुच सकता है।

कुंभ: आज का दिन धन लाभ वाला है लेकिन सेहत में थोड़ी नरमी रहने से लापरवाहि करेंगे।

मीन: आज का दिन आपके लिये मिला जुला रहेगा। दिनचर्या आज व्यवस्थित रहेगी अधिकांश कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे।

जबलपुर, बुधवार, 5 जून 2024

4

की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पेट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमयम होने की आशका जताई जाने लगी है।

प्रकृति कभी समुंद्री तूफ़ान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। ‘प्रदूषण मुक्त साँसें’ पुस्तक’ में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगममाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फँस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी माँ के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढेरों बहुमूल्य चीज़ें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

..खास..प्राती.. त्यों ना आज बादलों को बुलाया जाए



क्यों ना आज बादलों को बुलाया जाए, कुछ इस तरह चाँद से को छुपाया जाए। मसरूप हो जाएं जमाने की रंगीनियों में, ऐसे ही किसी की यादों को मिटाया जाए। फेंक दें बेअदब हो तबीयत की शोशियाँ, गमों को इस तरह से कब्र में सुलाया जाए। किसी तरह बड़ा लेते फिरत की सर्दियाँ, कुछ यूं चुपियों की नदी को जमाया जाए। क्यों ना आज फिर बादलों को बुलाया जाए, हाँ कोशिश कर चाँद को छुपाया जाए।

- **प्रीति श्रीवारस्तव**

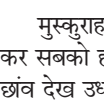
दो पल अच्छे बिता लें, सुख-दुख

दो पल अच्छे बिता लें, सुख-दुख कह-सुन लें, हँस लें हँसा लें ताकि जीवन में चल रही उछपटक को कुछ पल के लिए भूल कर जी लें, खुश हो लें। जैसे हैं वैसे ही स्वीकार कर लें, जजमेंटल न हों। एक दूसरे को सही गुलत समझाते-समझाते एक दूसरे के प्रति ही गुलत करने लगे तो रहने दीे चाहिए ऐसी बातें। यही दोस्ती और प्यार में सबसे ज्यादा जरूरी होता है। नहीं तो बैठे रहो ज़िन्दगी भर ऐसे ही पास-पास...मुँह फेर के... - **शिवानी जयपुर**

अब तलक भी नहीं पहनी है वो साड़ी

अब तलक भी नहीं पहनी है वो साड़ी मैंने तेरी पसंद से जो ली थी इक अरसा पहले तेरा हिज सँभलता नहीं है सँभाले हमदम जाने दे, पुरा कर तू अपना झगड़ पहले तेरे साथ ज़माना है, मेरी ज़रूरत क्या है मेरी दुनिया तू है, कब मैंने बताया पहले अगर हदें ही बतानी थी आगे चलकर तो फिर क्यों खुवाब दिखा, बेपनाह इश्क़ जताया पहले मेरी आँखों की नमी कोई कहीं समझ़ेगा नज़रें मिलते ही लगाती हूँ कहकहा पहले - **ममता लडीवाल**

मुस्कुराहटों के पीछे दर्द छुपाती हूं



मुस्कुराहटों के पीछे दर्द छुपाती हूं मैं गम अपने भुला कर सबको हंसाती हूं मैं। जिनगी की धूप में नपा लिया खुद को जरा सी छांव देख उभर मुड़ जाती हूं मैं। वफ़ा का नामोनिशान मिट गया दुनियां से आज तलक गीत वफ़ा के रचे जाती हूं मैं। मुसीबतों से जूझना खूब आ गया हमको क्यों हर बात में औरों से उम्मीद लगाती हूं मैं। अंधेरों का खौफ़ जरा भी रहा नहीं है अब खुद के साप से ही कभी डर जाती हूं मैं। रखती हूं मजबूत इरादे मैं हर वक्त पर कभी कभी क्यों जरा डगमगाती हूं मैं। चाह नहीं कोई जब सब बिखरता ही रहा जरा सी खुशियों में ही खूब मुस्कराती हूं मैं। भंजिल मिले न मिले दिल में गिला नहीं चलने का नाम है जीवन चले जाती हूं मैं।

- **रश्मि ठाकुर**

अपनों ने सिखला दिया, आज नया



अपनों ने सिखला दिया,आज नया यह ज्ञान । अपने होते है नही , जग का झुठ ज्ञान।। मन की नहि ये कल्पना, सच के है उदगार।। मिला हमें है कर्म फल, किये रहे उपकार।। करो नही उपकार तुम, अब अपनों के संग। वक्त पड़े पर ये सदा, काटत अपने अंग।। अपना था समझा जिसे , वही बना अब गैर । अश्व महिष के ज्यूँ सदा , जग प्रसिद्ध अति बैरा।। किया भलाई भूलकर, आज बने भगवान।। दीन दशा जब तक रही , भला न मो सपना ।। भला अभिज्ञ करते रहे, भली राह सुख जैन । कभी पडेगी कान में , दीन बन्धु के बैन ।। - **अजय मिश्रा अभिज्ञ**



रहते जो बेख़बर सृजन हित, रहबर

रहते जो बेख़बर सृजन हित,रहबर उजड़न पर रोते हैं, आँखें गढ़ लेते अरु-सरी , पतझड़ में सावन बोते हैं ! करते बातें नयी फसल की,निः-निः नव मंच-मंचानों से, उजड़ी धरती छलती जाती,फिर-फिर इन नये सयानों से। जान रहें वे, सिंहासन की- राहें सुगम,जब तक उजड़न है ! मधुरस दूढ़ रहा मधुवन क्यों ? अबकी बार मधुमास मौन है ! - **पंकज कुमार बसंत**

न्यूज गैलरी

टॉस्क फोर्स ने बाल श्रम निषेध हेतु अभियान चलाया

गरियाबंद । विभिन्न संस्थाओं व स्थापनाओं में बाल श्रम रोकथाम के लिए जिला टॉस्क फोर्स के अधिकारी-कर्मचारी एन.एम.ए. श्री छबि सिंह, संकुल समन्वयक गरियाबंद-ब श्री शणानंद सर्वाकर, पर्यवेक्षक श्रीमती निर्मला साहू, ऑडटरीच वर्कर श्रीमती स्नेहलता शुक्ला, जन साथी कीर्ति ठाकुर, श्रम कल्याण निरीक्षक श्री मनीष कुमार बंजारे, श्री पूर्णानंद साहू, एवं सहायक ग्रेड- 03 श्री निकेश कुमार सिन्हा के द्वारा गरियाबंद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में होटल, दुकानों, ईट भट्टे, निर्माण स्थल, संगठित और असंगठित क्षेत्रों में निरीक्षण कार्य का शुरुआत किया गया। जिसमें किसी भी संस्थान में बाल श्रमिक कार्यरत नहीं पाया गया। इस दौरान आम नागरिक एवं व्यापारियों को बाल /किशोरों से कार्य नहीं कराये जाने के संबंध में गठित टीम के द्वारा प्रचार-प्रसार किया गया।

वाटरशेड द्वारा जलग्रहण समिति सदौली में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन



गरियाबंद। भूमि संसाधन विभाग भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस 2024 को भूमि पुनरुद्धार की थीम पर मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत गरियाबंद विकासखंड में संचालित परियोजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत संचालित ग्रामो में उप संचालक कृषि श्री चंदन कुमार राय एवं सहायक संचालक सह परियोजना अधिकारी एनजीडब्ल्यूडीपी श्री महेश कुमार पैकरा के मार्गदर्शन में जलग्रहण समिति सदौली में पर्यावरण संरक्षण, भूमि संरक्षण ,जल संरक्षण व पौधरोपण के प्रति लोगो को जागरूक करने हेतु दीवार लेखन व रैली निकाली गयी। जिसमें वाटरशेड के सभी अधिकारी कर्मचारी, गांव के जागरूक महिलाओ, बुजुर्ग, उपसंपर्पंच श्री छबिराम ध्रुव, पंचायत सचिव श्री लोकसिंग यादव का विशेष सहयोग रहा।

ईदरीश भाई ने ईमानदारी का मिसाल पेश किया

नगरी। नगरी का मेहनतकस युवक पंकज ध्रुव ट्रांसपोर्टिंग का काम करता था।गत दिनों असमाजिक तत्वों के द्वारा उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। इसी बीच ईमानदारी का मिसाल पेश हुआ है। चुरियारा पारा नगरी के ईदरीश भाई बारदाना का काम करते हैं। मृतक पंकज ध्रुव से वे अपने माल का परिवहन किया करते थे। मृतक को 4500/-रुपये भाड़ा देना बाकी था। उन्होंने मृतक के परिजनों को उनके निवास पहुंचकर उपरोक्त राशि प्रदान कर दिए। परिजनों ने ईदरीश भाई बारदाना वाले के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे ईमानदार व्यक्ति बिरले ही मिलते हैं। परिजनों को बकायादारों के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्होंने इसी तरह के सहयोग की अपील की है। इस अवसर पर समाजिक जन नरेश छेदैहा,भांवत ध्रुव, नरोत्तम छेदैहा,लखेश गंगेश, संतोष गंगेश उपस्थित थे। समाजिक जनों ने भी ईदरीश भाई के उपरोक्त पहल की तारीफ की है।

समपार फाटकों पर आमजनों, वाहन चालकों व राहगीरों को सुरक्षित फाटक पार करने परामर्श

बिलासपुर/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय समपार (फाटक) जागरूकता दिवस के अवसर पर समपार फाटकों में होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सड़क उपयोगकर्ताओं में सुरक्षित समपार फाटक पार करने के दौरान ली जाने वाली सावधानियों एवं नियमों के प्रति जागरूकता लाने बिलासपुर मंडल संरक्षा विभाग द्वारा 4 जून से 10 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी साकेत रंजन के निर्देशन में योजनाबद्ध तरीके से प्रत्येक दिन संरक्षा सलाहकारों, नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों, स्काउट-गाइड तथा विभिन्न विभागों के पर्यवेक्षकों तथा रेलवे सुरक्षा बल के सदस्यों द्वारा मंडल के विभिन्न समपार फाटकों में राहगीरों को संरक्षा नियमों से संबन्धित पम्पलेट देकर

डू पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला सुरखी में आयोजन

भाटापारा। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला सुरखी में 10 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन पीएमश्री नोडल जहीर अब्बास सर के मार्गदर्शन और संस्था प्रमुख डॉ. इन्द्राणी साहू के कुशल संचालन में किया गया। समर कैम्प में शासन के निर्देशानुसार बच्चों के लिए विविध मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने योग अभ्यास, खेलकूद, ड्राइंग, पेंटिंग, मिट्टी शिल्प, मिट्टी और कागज से खिलौना निर्माण, कागज से विविध आकृतियों का निर्माण, मुखौटा बनाना, वाद्य यंत्र और संगीत, नृत्य का अभ्यास, कविता, कहानी , निबंध लेखन, कबाड़ से जुगाड़, चित्रकला का अभ्यास, पियर लॉर्निंग, माशेल आर्ट, जुम्बा एक्सरसाइज, खेल-खेल में भाषा और गणित का ज्ञान, नाटक और कविता के माध्यम से अभिनय, नैतिक शिक्षा आदि



गतिविधियों में पूरी लगन और उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। समर कैम्प में अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन से इति मैडम और बाबूलाल सर का समय-समय पर

सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ, क्राफ्ट वर्क में शिक्षक डॉ. कन्हैया साहू का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ जिनके साथ मिलकर बच्चों ने कागज से आकृति और मुखौटे निर्माण की गतिविधियों

रिंगनी हथबंद के आरएचआईपीएल में इंटक यूनियन का हुआ गठन

अर्जुनी। मजदूर नेता दिलीप कुमार वर्मा के अब तक के निरंतर श्रमिक हितेषी कार्यों से प्रेरित होकर। रायपुर हैडलिंग इंप्रस्ट्रकचर प्रा.लि. रिंगनी (हथबंद) जिला बलौदाबाजार भाटापारा मे कार्यरत । यहां के सभी श्रमिकों ने मजदुर नेता दिलीप कुमार वर्मा कि उपस्थिति मे, इंटक यूनियन कि सदस्यता ग्रहण किया है। गौरतलब हो कि जिसमे नये यूनियन के रूप मे निम्नलिखित पदो का चयन के साथ गठन किया गया है। जिसमे : यूनियन का अध्यक्ष दिलीप कुमार वर्मा,उपाध्यक्ष दिलीप यदु,महासचिव डेकराम यादव ,कोषाध्यक्ष लोकनाथ साहू,प्रचार प्रसार मंत्री हेमलाल वर्मा,संगठन मंत्री हरिराम पाटकर, साइड लीडर पूयम चंद साहू,ऋषि यादव आदि बनाये गये है। इस अवसर पर इंटक यूनियन के अध्यक्ष दिलीप कुमार वर्मा ने उपस्थित मजदूरों को संबोधित करते हुए। कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे मिला



है। उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाऊंगा,श्रमिक साथियों के उम्मीद व विश्वास मे निरंतर खया उतरूंगा। वही वर्मा ने साथ ही सभी प्रदेश के श्रमिको से भी निवेदन किया है कि संयंत्र व उद्योगों के द्वारा किये जा रहे शोषण के खिलाफ मीलकर आवाज उठाते रहे।

वही सभी एक होकर एकता बनाये रखे। क्योंकि एकता मे हि वो शक्ति है। जिससे उद्योगपतियों से लड़कर हम मजदूर अपना अधिकार ले सकते है। तभी हम सब सम्मान के साथ काम कर अपना परिवार का पालन पोषण अच्छे से कर सकते है।

डोगरडुला पंच चमेली साहू ने वाडर्डी में कराई साफ-सफाई



नगरी। नगरी विकास खण्ड के ग्राम सफ सफाई कराया जाया है साथ सरपंच पंचायत डोगरडुला मे कई वाडो में पूरेश्वरी ने गांव के लोगो को अपील की बरसात का मौसम आने के पहले ही से अपने घर के समाने नाली में कूड़ा करकट गांव के मोहल्ले में नाली में मिट्टी की सफाई न डाले की बात कही है।

कराते दिखाई दिये वार्ड के पंच चमेली साह ने बताया कि बरसात आने से पहले गांव के पूरे जगहो नाली की सफाई अच्छी तरह सफ सफाई करनी चाहिए ताकि बरसात में नाली में पानी जम न हो पानी रुक जाने छोटे छोटे . कीड़े पनप जाते हैं जिससे कई प्रकार के बीमारी फैलने सभवना रहती है। मानसून दस्त देने से पहले ही गांव पूरे नाली

प्रयास आवासीय विद्यालयों के प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 9 जून को

कोरिया। शिक्षा सत्र 2024-25 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा रविवार, 09 जून 2024 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक (3 घंटे) बैकुण्ठपुर विकासखण्ड के पटना स्थित स्वामी आत्मानंद उक्तूष विद्यालय में आयोजित की गई है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने जानकारी दी है कि चयन परीक्षा के लिए कक्षा 09वीं के लिए जिन विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं अथवा जिन विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत नहीं किए गए हैं।

कोहकाबोड़ स्कूल में समर कैंप बच्चों की निखरी प्रतिभा

परीक्षाओं व समर कैम्प से संबंधित जानकारीयां देते हुए निरन्तर मेहनत करने कहा। उन्होंने अभी से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने अपना भविष्य आवल बनाने और छुपी प्रतिभा को बाहर निकालने की बात कही। द्विवेदी ने सभी ब%चों व शिक्षकों की तारीफ करते शाला में समर कैम्प में शानदार गतिविधियां के संचालन पर शिक्षकों की पीठ थपथपाई। इस दौरान संकुल समन्वयक तोपचन्द वर्मा,शिक्षिका अनुयाधा सिंह, रेखा वर्मा, प्रधान पाठक चंद्रकिरण ठाकुर, शिक्षक कोमल कोठारी व ब%चे उपस्थित थे।



द्वारा उनकी मौजूदगी में किये गए ताइक्रांडो प्रदर्शन को देखा। उन्होंने वहां मौजूद सभी बच्चों से बातचीत की व उनके क्रियाकलापों व प्रदर्शन की तारीफ की। डीईओ लाल जी द्विवेदी ने ब%चो को प्रतियोगी

नवनिहालों ने सिखा मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग डांस



भाटापारा। किरण इवेंट फ्यूजन के अरुण छबड़ा बर्दी व्दारा नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 27 मई से 8 जून तक किया जा रहा है।यह 13 दिवसीय प्रशिक्षण स्थानीय पंचम दीवान नगर पालिका कन्या

शाला भाटापारा में दिया जा रहा है जिसमे लगभग 302 बच्चे भाग लेकर मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग, करसिक् राईटिंग, डांस आदि का प्रशिक्षण, प्रशिक्षित शिक्षको से ले रहे है। इस समर कैंप के आयोजक

अरुण छबड़ा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य गर्मी की छुट्टी में बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा और उनकी योग्यता को आगे बढ़ाने का प्रयास संस्थान द्वारा किया जाता है । इन प्रशिक्षण शिविर में अरुण 'बंटी छबड़ा के साथ सुधीर मिश्रा,, बलवंत छबड़ा वीणा साहू, सीमा मल, मनीषा गड्डनी ,प्रकृति साहू, संस्कृति साहू, देवेन्द्र निषाद, गुलशन वर्मा निवेदिता वर्मा, जागेश्वरी साहू, रानी यादव ,केशनी जयसवाल ,पुजा देशमुख, नेता वर्मा, संजना साहू, दीपिका पांजा ,पूर्वीश छबड़ा, यशदीप छबड़ा सहित अन्य लोगो का भी सहयोग रहा।

में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस तरह से पूरा समर कैम्प मनोरंजन और शिक्षाप्रद माहौल से परिपूर्ण रहा। बच्चों को सीखी हुई गतिविधियों का घर में लगातार

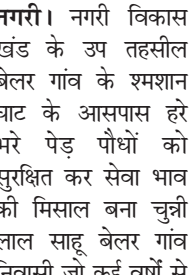
अभ्यास करते रहने की सलाह दी गई जिससे सीखी हुई चीजों को वे भूल न जाएँ। समर कैम्प में समय-समय पर विकासखण्ड स्नात समन्वयक लेखराम साहू , विकासखण्ड शिक्षा

अधिकारी रामजी पाल , संकुल समन्वयक राजेश शर्मा एवं संकुल प्रभारी दर्शन सिंह ठाकुर का मार्गदर्शन और सहयोग सराहनीय रहा।

4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नारायणपुर। कलेक्टर श्री बिपिन ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए पीडित परिवार के परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मृतक फुलसिंह शोरी, पिता स्व. सोमराम, जाति गोंड, निवासी ग्राम तुरुषमेठा तहसील छोटेडोंगर की मृत्यु 02 अक्टूबर 2023 को तालाब के पानी में डुबने से हुई थी। मृतक के निकटतम वारिस पत्नी रूकदाय को कलेक्टर श्री बिपिन मांडवी ने 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मंजूर की है। उक्त स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान तहसीलदार छोटेडोंगर को राशि बैंक ड्राफ्ट यो चेक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर कराने के निर्देशित किया गया हैं।

भीषण गर्मी में आम के पौधों को पानी देकर सुरक्षित कर रहा चुन्नी लाल साहू



नगरी। नगरी विकास खंड के उप तहसील बेलर गांव के श्मशान घाट के आसपास हरे भरे पेड़ पौधों को सुरक्षित कर सेवा भाव की मिसाल बना चुन्नी लाल साहू बेलर गांव निवासी जो कई वर्षों से बेलर गांव के श्मशान घाट के आसपास छोटे छोटे पौधे को आज वर्तमान में उनकी देखरेख और सुरक्षा करते करते आज पौधे पेड़ का रूप ले चुके हैं उस जगह पर हरियाली ही हरियाली नजर आ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उस जगह के आसपास 2700 पेड़ पौधों है जो विभिन्न प्रकार के हैं वहीं 257 आम के पेड़ है वहीं वर्तमान में आम के छोटे छोटे पौधे

को पानी देकर भीषण गर्मी में उन आम के पौधे की पानी डालकर उनकी प्यास बुझा रहा। चुन्नी लाल साहू द्वारा अपने परिवार के बच्चों के साथ आम के पौधों को पानी देना उस जगह पर बोर खनन की आवश्यकता है जो गर्मी के दिनों में पेड़ पौधों को पानी देने बोर खनन कार्य उस जगह पर कारगर साबित होगा वहीं शासन प्रशासन से बोर खनन की मांग की है।

डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन: साढ़े 6 हजार सीटों के लिए 3 लाख फॉर्म

पहली बार बीएड से ज्यादा कंपीटिशन

रायपुर/नवप्रदेश। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) में इस बार प्रवेश पाना आसान नहीं होगा। इसकी साढ़े छह हजार सीटों के लिए इस बार 3 लाख से अधिक आवेदन आए हैं। राज्य निर्माण के बाद यह पहली बार है जब बीएड से ज्यादा डीएलएड के लिए कंपीटिशन है। जानकारी का कहना है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों शिक्षकों की भर्ती को लेकर नई नियमावली तैयार की गई है। इनके अनुसार प्राइमरी टीचर भर्ती के लिए बीएड डिग्रीधारी आवेदन नहीं कर पाएंगे। इसके लिए डीएलएड मान्य होगा। पिछली कुछ भर्तियों में यह देखा गया है कि सरकारी स्कूलों की शिक्षक भर्ती में ज्यादा पद प्राइमरी टीचर (सहायक शिक्षक) के लिए थे। इसे लेकर ही डीएलएड की डिमांड बढ़ी है। जानकारी के मुताबिक कुछ साल पहले तक डीएलएड की सीटें खाली रह जाती थीं। स्थिति ऐसी बनती थी कि, उन छात्रों को भी एडमिशन के लिए अवसर दिया जाता था जो प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन अब एक-दो साल से स्थिति नहीं किए गए हैं।



बीए.बीएड और बीएससी के लिए 37 हजार आवेदन

बीए.बीएड व बीएससी.बीएड के चार वर्षीय कोर्स की प्रवेश परीक्षा के लिए इस बार 37 हजार आवेदन आए हैं। राज्य के तीन निजी कॉलेजों में यह कोर्स 2018 से चल रहा है। इन कॉलेजों में करीब 200 सीटें हैं। व्यापम से 9 जून को इसकी प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। जानकारी के मुताबिक इस चार वर्षीय बीएड कार्यक्रम में प्रवेश के लिए यह अंतिम वर्ष है। अब बीए.बीएड व बीएससी.बीएड प्रोग्राम, आईटीईपी के तहत संचालित होगा। इस कोर्स के राज्य के इन तीनों संस्थानों ने एनसीटीई की आवेदन कर दिया है। संभावना है कि इन कोर्स की मान्यता मिल जाएगी। अभी आईटीईपी के तहत संचालित चार वर्षीय बीएड प्रोग्राम पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में है। पिछले साल इसे मान्यता मिली।

बदल गई है। पिछली बार डीएलएड के लिए 1 लाख 60 हजार आवेदन आए हैं। इसी तरह वर्ष 2022 में उन छत्रों को भी एडमिशन के लिए अवसर दिया जाता था जो प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन अब एक-दो साल से स्थिति नहीं की जा सकती। मरीज के वजन के

बदल गई है। पिछली बार डीएलएड के लिए 1 लाख 60 हजार आवेदन आए हैं। इसी तरह वर्ष 2022 में उन छत्रों को भी एडमिशन के लिए अवसर दिया जाता था जो प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे। फिर भी काउंसिलिंग

10 दिनों के भीतर टीबी के आए 1,520 मरीज

को जानने के लिए शोध की जरूरत है। टीबी रोग माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह एक ऐसी बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। यह उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। टीबी की दवा बीच में बंद नही की जा सकती। मरीज के वजन के अनुसार छह माह से लेकर दो साल तक की विभिन्न श्रेणियों की दवाएं दी जाती हैं। अगर दवा में गैप हो तो मरीज को दवा प्रतिरोधी टीबी हो सकती है, जो बेहद खतरनाक हो सकती है। टीबी के मरीजों को खाली पेट दवा खानी पड़ती है। यदि पाठ्यक्रमों के बीच लंबा अंतराल हो तो मरीजों का दोबारा फॉलोअप किया जाता है।

केंद्र से नहीं मिल रही दवा : राज्य के सरकारी अस्पतालों में टीबी की दवा नहीं मिलने से मरीजों को खाली हाथ लौटना पड़ता है। कुछ समय तक तो अस्पताल चल रहे थे, लेकिन पिछले एक माह से दवा पूरी तरह खत्म हो गयी है. रायपुर के पास भी सिर्फ एक सप्ताह की दवा बची है। टीबी मरीजों को दो जाने वाली दवा केंद्र सरकारी के टीबी विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जाती है, जो बंद है. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टीबी की दवा के लिए कई बार टीबी विभाग को पत्र लिखा जा चुका है। छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में दवाओं की सप्लाई नहीं हो रही है. राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को वहां से निर्देश मिलने के बाद ही जिला स्तर से दवाएं



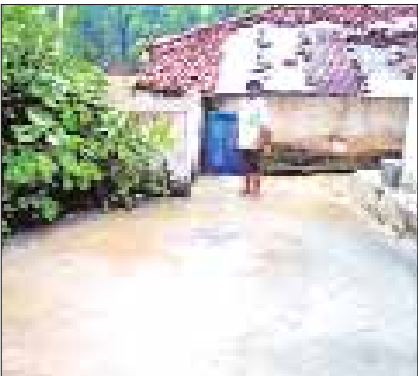
■ न्यूज गैलरी

शनिदेव की जयंती 6 को



सक्ती /नवप्रदेश। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 6 जून को सूर्य पुत्र शनिदेव महाराज जी की जयंती मनाई जाएगी। इस संबंध में शनि मंदिर के पुजारी विष्की गोस्वामी ने बताया कि सुबह शनिदेव महाराज जी भव्य आरती तथा ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किया जायेगा उसके बाद खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया जायेगा। शनि मंदिर परिसर में भव्य भंडारा बन्ू अग्रवाल एवं सहयोगियों की तरफ से हर वर्ष आयोजित किया जायेगा। दिनभर शनि मंदिर में शनिवार की पूजा करने के लिये अपनी मनोकामना को लेकर पहुंचते है या जिनकी मनोकामना पूर्ण हो जाती है वह अपने श्रद्धा पूर्वक दान एवं शनिदेव महाराज की पूजा करते है। दिनभर शनि भक्तों का तता लगा रहता है।

रिमझिम फुहार, गर्मी से मिली राहत



सरगुजा-लखनपुर/नवप्रदेश। एकाएक मौसम परिवर्तन के साथ दिन के 3 बजे दोपहर बाद से चमक गरज के साथ बारिश हुई।चिलचिलाती गर्मी में आम जनजीवन को बेहद राहत मिला । एकबारगी बदले मौसम के मिजाज ने फिजा में गुलाबी ठंडक घोल दिया है। अनुमान लगाया जा रहा है आने वाले मानसून ने दस्तक दे दिया है। प्रत्येक दिन दूसरे पहर कमोबेश बारिश होगी। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लोग अपने घर मकानो को सहेजने की कवायद शुरू कर दिया है। ताकि बरसात के दिनों में सुखे महफूज घरों का संरक्षण मिल सके। बारिश के बाद किसान अपने खेतों की जुताई कृषि कार्य करने के उपक्रम में भी जुड़ने के मंसूबे बनाने लगे हैं।

अग्निवीर : इंडियन नेवी के लिए आवेदन अब 5 तक

जांजगीर/नवप्रदेश। भारतीय नौसेना की ओर से सीनियर सेकंडरी रिक्तर्स (एसएसआर) में आग्निवीर की भर्ती होगी। इसके लिए आवेदन अब 5 जून तक किए जा सकते हैं। फार्म भरने की तारीख बढ़ाई गई है। पहले आवेदन की आखिरी तारीख 27 मई थी। इस भर्ती के लिए मैथ्व व फिजिक्स से बारहवीं पास युवा आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा तीन साल की इंजीनियरिंग डिप्लोमा वाले भी फार्म भर सकते हैं। उम्मीदवार का जन्म 1 नवंबर 2003 से 30 अप्रैल 2007 के बीच होना चाहिए। आवेदन शुल्क 550 रुपए है। जानकारी के मुताबिक चयन के लिए सबसे पहले इंडियन नेवी एंट्रेंस टेस्ट (आईएनईटी) होगा। इसके माध्यम अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इसमें सफल अभ्यर्थियों को फिजिकल फिटनेस टेस्ट और स्टेज- 2 लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

लायंस क्लब शिक्षण के चेयरमैन बने डॉ. केपी

सक्ती/नवप्रदेश। लायंस क्लब शिक्षण समिति सत्र 2024-25 का गठन किया गया, जिसमें लायन गिरधारी लाल अग्रवाल को सर्वसम्मति से चेयरमैन बनाया गया। इसके साथ ही डॉ. केपी राठौर वाइस चेयरमैन, डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा सचिव, डॉ. वीके अग्रवाल संरक्षक बनाया गया है, वही बजरंग अग्रवाल, डॉ. जीपी दुबे, सुरेश अग्रवाल, लायन नंदकुमार देवांगन, संतोष कुमार सोनी, रामप्रपन्न देवांगन अध्यक्ष लायंस क्लब चांपा, गिरधारी लाल अग्रवाल ने चेयरमैन का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि वे स्कूल के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे और बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष ध्यान देंगे। डॉ. केपी राठौर वाइस चेयरमैन ने कहा कि इस सत्र में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा व अनुशासन का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

11 लीटर महुआ शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर/नवप्रदेश। फगुरम चौकी क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले एक आरोपी के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के पास से अवैध महुआ शराब जब्त किया है। पुलिस के अनुसार पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर उस बेचने के लिए जा रहा है। सूचना मिलने पर पहुंच ने भदरी चौक के पास आरोपी इन्द्रकुमार गोरे को रोका और उसकी तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को आरोपी के पास से दो प्लास्टिक के डिब्बे पर 11 लीटर महुआ शराब मिली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महुआ से अवैध शराब बनाने और बेचने पर रोक नहीं लग पा रही है। कार्रवाई होती है पर छूटने के बाद आरोपी फिर उसी काम में जुट जाते हैं।

एक साल भी नहीं चली 14 लाख की सीसी रोड

मामला रामानुजनगर विखंड के ग्राम पंचायत रामेश्वरम का

सूरजपुर/नवप्रदेश। ग्रामीण विकास के दावा की पोल गांव में आवाजाही के लिए बने सड़क मार्गों की जर्जर हालत को देखकर सहज ही लगाया जा सकता है। ऐसा ही एक मामला जिले के रामानुजनगर विकासखण्ड क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत रामेश्वरम में एक वर्ष पूर्व बनी सीसी सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है।विदित हो की उक्त सड़क मार्ग विशेष केन्द्रीय सहायता (प्रधानमंत्री) आदिवासी आदर्श योजना मद से स्वीकृति हुई थी, जिसकी स्वीकृति राशि 14.50 लाख प्रदाय करते हुए निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत को दायित्व दिया गया था, किन्तु निर्माण एजेंसी के द्वारा केन्द्रीय योजना पर भी खुलेआम ढका डालते हुए सड़क मार्ग का निर्माण करा दिया है, जिसकी मूल्यांकन भी उपयंत्री के द्वारा बिना सड़क मार्ग

निरीक्षण के ही मूल्यांकन कर दिया गया है। वरना टेक्निकल अधिकारी आर ई एस के एस डी ओ ने भी आँख बंद कर कमीशन के फेर मे सतयापन करते हुए लाभ पाने और लाभ पहुंचाने का कार्य खुले तौर पर किया है,

उल्लेखनीय है की ग्राम पंचायत के द्वारा निर्माण कार्य सीसी सड़क मे व्यापक तरीके से अनियमितता किया है जिससे एक वर्ष से पहले ही सड़क मार्ग की ऊपरी सतह पूरी तरह से उखड़ गई है जबकि इस सड़क मार्ग मे ना ही कोई बड़ी गाड़ीयों का आना जाना है और ना ही इस सड़क पर भारी वाहन या गाड़ी चलती है, मात्र पैदल यात्री और गांव बस्ती के लोग मोटर साईकिल से आना ही करते है इसके बाद भी सड़क मार्ग में गिट्टी निकल चुका है जिससे बाईक चालकों की वाहन भी पंचर हो रहा, तो पैदल और बिना चप्पल जूता वालो के पैर गिट्टी मे धंस कर चोटिल हो



चुके है। ग्रामीणों ने बताया की सड़क मार्ग में अच्छी गिट्टी नहीं डाला गया है, मटेरियल में स्टीमेट के विपरीत कराने के कारण सड़क मार्ग पूरी तरह ध्वस्त की स्तिथि हो गया है, बताया जाता है

की लगभग पंद्रह लाख की लागत की सड़क का मूल्यांकन 95 प्रतिशत कर दिया गया है। जबकि उक्त सड़क मार्ग पर अबतक साइड फिलिंग में ना तो मिट्टी

डाला गया न ही मुरुम, इससे सहज ही आंकलन लगा सकते हैं कि शासन की योजना पर किस कदर खुलेआम बट्टा लगाया गया है। वहीं दूसरी तरफ विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों

द्वारा दफ्तरों से ही कार्यों का निगरानी करने से ग्रामीण विकास की परिकल्पना भौतिक धरातल पर दम तोड़ रही है।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता के लिए आंचल का चयन

लखनपुर/नवप्रदेश। जापान में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता के लिए चयन हुई हैआकांक्षी विकासखंड लखनपुर के बेलदगी ग्राम पंचायत की कु.आंचल तिगा केंद्र एवं राज्य सरकार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मामले नई खोज को प्रोत्साहन दिए जाने हेतु इंस्पायर अवार्ड का स्कीम प्रारंभ किए हैं इस योजना के तहत हर वर्ष मिडिल स्कूल एवम हाई तथा हायर सेकेंडरी स्कूल स्तर की छात्र-छात्राओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रक्षान रखने वाले बच्चों को प्रोत्साहित कर उन्हें नई खोज हेतु प्रेरित करने का कार्य किया जाता है जहां विभिन्न जगहों से कई प्रकार के नई खोज कर प्रतियोगिता कराया जाता है। इसी कार्यक्रम के तहत तत्कालीन पूर्व माध्यमिक शाला सिंगीटाना में आठवीं में अध्यनरत छात्रा कुमारी आंचल तिगा पिता कन्नो लाल ग्राम बेलदगी के उतारपारा निवासी के द्वारा 2018-19 में एडजेस्टेबल गैस चूल्हा स्टैंड एक यंत्र का मॉडल मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती संध्या जोशी माध्यमिक शाला सिंगीटाना के मार्गदर्शन में एक यंत्र बनाकर मॉडल प्रस्तुत किया गया वर्तमान में छात्रा कुमारी आंचल तिगा दसवीं का परीक्षा पास कर 11वीं



हुआ इसमें भी कुमारी आंचल तिगा ने भाग ली तथा इस इंस्पायर अवार्ड कार्यक्रम में भी वह बाजी मारते हुए राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक स्कीम के तहत आयोजित दसवीं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इंस्पायर मानक स्कीम के तहत आयोजित दसवीं राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में पूरे छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करते हुए जो तीन दिवसीय 2023 में नई दिल्ली में हुआ इस प्रतियोगिता में भी आंचल तिगा ने भाग लिए और राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में भी वह बाजी मारी तथा अब वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के विज्ञान प्रतियोगिता जो अंतरराष्ट्रीय स्तर

के जापान देश में होने वाले प्रतियोगिता में शामिल होकर के एडजेस्टेबल गैस चूल्हा स्टैंड मॉडल यंत्र की प्रस्तुति देगे तथा पूरे भारतवर्ष का नेतृत्व करेगे। पूरे भारतवर्ष सहित लखनपुर एवं छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करने वाले कुमारी आंचल तिगा के बारे में बताते हुए विकासखंड द्वारा विकासखंड ही नहीं पूरे क्षेत्र का नाम रोशन जिस प्रकार से किए हैं मैं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं तथा इस मॉडल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली श्रीमती संध्या जोशी को भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं हमें पूर्ण विश्वास है कि जिला प्रशासन एवं राज्य सहित केंद्र सरकार के समस्त वरिष्ठ अधिकारी गण के कुशल मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस प्रतियोगिता में भी शामिल होकर पूरे देश का नाम रोशन करेगी। यह मुझे पूर्ण विश्वास है आने वाले समय के प्रतियोगिता में भी क्षेत्र के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं भी इसी प्रकार से बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें भी लगातार इस प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेकर क्षेत्र के नाम रोशन करने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

सरगुजा/नवप्रदेश।थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे त्वरित कार्यवाही कर चंद घंटे मे आरोपी को गिरफ्तार कर की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही। सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे सलिस आरोपियों की लगातार धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का सलिस विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया द्वारा दिनांक 03/06/24 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि गांधीनगर निवासी मनु कुमार केरकेट्टा द्वारा घटना दिनांक 25/12/22 को प्रार्थिया के साथ जबरन दुष्कर्म कर घटना के बारे मे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई हैं, मामले मे प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 326/24 धारा 376, 506 भा.द.वि. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 का अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले मे शामिल आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के



आरोपी मनु कुमार केरकेट्टा की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम मनु कुमार केरकेट्टा उम्र 45 वर्ष साकिन शाहपुर थाना कुसुमी जिला बलरामपुर हाल मुकाम गांधीनगर थाना गांधीनगर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत उपे जाने से गिरफ्तार कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक अश्वनी सिंह, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, प्रधान आरक्षक संतोष करश्य प्रधान आरक्षक चंद्र प्रकाश टंडन, महिला आरक्षक तेजेश्वरी राजवाड़े आरक्षक संजीव पांडे, पवन यादव, घनश्याम देवांगन शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण पंच, सरपंच तथा महिलाओं ने अवैध उत्खनन के खिलाफ खोला मोर्चा

मनियारी नदी से रेत के अवैध उत्खनन के खिलाफ आगे आई महिलाएं

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में मनियारी नदी में रेत के अवैध उत्खनन को लेकर ग्रामीण लामबंद हो गए हैं। पंच, सरपंच तथा महिलाओं ने अवैध उत्खनन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

जिले में इन दिनों नदी से अवैध रेत उत्खनन जोरों पर है। रेत माफियाओं द्वारा रेत उत्खनन का गोरख धंधा काफी दिनों से किया जा रहा है। रेत उत्खनन करने वाले एवं माफियाओं पर प्रशासन की कार्यवाही नहीं होने से अवैध उत्खनन से जुड़े लोगों का हौसले बुलंद हो गये हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में बहने वाली मनियारी नदी का दोहन करना कोई नया काम नहीं है, यह काफी लंबे समय से चला आ रहा है, जब जी चाहे, जितना चाहे वे नदी से बगैर परमिशन बालू (रेत) उठकर ले जाता है। नदियों में बने घाट महुदा, सलभ, ताला से रोजाना 300 से 400 ट्रेक्टर एवं छोटे ट्रक में बालू

भरकर लोकल एरिया में भेजा जा रहा है। जिले में सड़क के किनारे सरकारी जमीनों पर सैकड़ों ट्रॉली रेत खुले में लावारिस तरीके से डपे है ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा। जिले के सरकारी अमलों के संरक्षण में रेत माफिया फ्ल-फूल रहे हैं और रेत उत्खनन जैसे अनैतिक कार्य कर नदियों का दोहन कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सलभ के सरपंच प्रेम पाटले ने बताया कि विगत कुछ माह से लगातार नदी से अवैध रेत का उत्खनन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत और जिला प्रशासन ने कोई भी रेत घाट यहां प्रस्तावित नहीं की है। बावजूद रेत माफियाओं द्वारा नदी में गहराई तक रेत निकाला जा रहा है। जबकि यह ग्रामीणों के दैनिक निस्तार का है। जिससे नदी में पानी भरने पर बच्चो के डूबने का खतरा बढ़ गया है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा उच्च अधिकारियों से



भी की जा चुकी है। परंतु प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। जिसके कारण अब सभी ग्रामीण एवं महिलाओं के नेतृत्व में नदी में अवैध रुप से रेत भर रहे ट्रैक्टर चालक से लड़ने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों द्वारा थाने में भी सूचना दी गई पर थाना प्रशासन भी इस पर ध्यान नहीं

दिया गया। यदि किसी प्रकार की अप्रिय घटना होती है तो जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। एसडीएम के द्वारा गांव स्तर पर टीम बनाने की बात कही है। जिसमें कई प्रकार की समस्या है। सबसे बड़ी समस्या ग्रामीणों की टीम बनाई जाएगी उनका मेहताना कौन देगा। ग्रामीणों के

विरोध करने के बाद भी रेत के अवैध खनन में लगे लोगों के हौसले इतने बुलंद है कि नदी में सीधे जेसीबी लगाकर रेत निकालने लगे है। जिसके कारण ग्रामीण और भड़क गए। हालत बिगड़ता देख अवैध उत्खनन कर रहे लोगों ने अपनी गाड़ियों को लेकर फरार हो गये।

ग्रामीण निभा रहे सक्रिय भूमिका

बार-बार प्रशासन नहीं जा सकता ग्रामीण स्तर पर टीम बनाकर नदी की निगरानी करवाने को कहा गया है। ग्रामीण अपने राजस्व सुरक्षा करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भरोसा राम ठाकुर, एसडीएम पथरिया

होगी कार्रवाई

क्षेत्र में अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त हुई है। शीघ्र ही इन पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

ज्योति मिश्रा जिला खनिज अधिकारी मुंगेली

देश में पिछले वित्तीय वर्ष में आया 44.43 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

नीदरलैंड और जापान से बढ़ा एफडीआई

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। 2024-25 में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी।

दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में 2023-24 के दौरान 44.43 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया।?हालाँकि, यह सालाना आधार पर 3.5 फीसदी कम है। इस दौरान भारत को सिंगापुर से सबसे ज्यादा 11.77 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला।?इसके बावजूद यह 2022-23 की तुलना में 31.55 फीसदी कम है। आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 के दौरान सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई),



केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इंक्रीटी निवेश में कमी आई। हालाँकि, नीदरलैंड और जापान से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 से सिंगापुर, भारत के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत

में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। 2024-25 में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, हाल ही में रीट वित्तियमन 2014 में संशोधन जैसी भारत की पहल ने सिंगापुर स्थित निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एफडीआई के मामले में मॉरीशस दूसरे स्थान पर रहा।?हालाँकि, मॉरीशस से निवेश 7.97

अरब डॉलर से घटकर 2023-24 में 6.13 अरब डॉलर रह गया।?अमेरिका 4.99 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।?2022-23 में उसने 6 अरब डॉलर का निवेश किया था। बीते वित्त वर्ष के दौरान भारत में नीदरलैंड से 4.93 अरब डॉलर, जापान से 3.17 अरब डॉलर, यूएई से 2.9 अरब डॉलर और ब्रिटेन से 1.2 अरब डॉलर का निवेश आया है। साइप्रस ने 80.6 करोड़ डॉलर और जर्मनी ने 50.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 के दौरान देश में कुल 70.95 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। यह वित्त वर्ष 2022-23 के 71.35 अरब डॉलर की तुलना में एक फीसदी कम है।?वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश में कुल 84.83 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था, जो अब तक का सर्वाधिक है।

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सोमवार को दुनियाभर के एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से कम मार्जिन की समस्या से जूझ रही हैं, ऐसे में एआई के जरिए इनकी उत्पादकता में वृद्धि पर आयोजन के दौरान चर्चा की गई। एयरलाइंस में हाल फिलहाल में कुत्रिम बुद्धिमत्ता पायलट्स की जगह नहीं ले सकती, लेकिन विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में क्रांति ला रही है। दुबई में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की 80वाँ बैठक से पहले एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा साइंस और एआई के प्रमुख जूली पॉंजी ने यह बात कही। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हर क्षेत्र में तेजी से अपना पैर फैला रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर एयरलाइंस ने बताया कि भविष्य में यह पायलटों की जगह नहीं लेगा, लेकिन विमानन उद्योग के



विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक उनके व्यापार करने के तरीके में तेजी से बदलाव ला रहे हैं। एयर फ्रांस-केएलएम में डेटा विज्ञान और एआई के प्रमुख जूली पोजी ने विमानन क्षेत्र के लिए डेटा और एआई को एक शानदार लीवर बताया। संयुक्त अरब अमीरात में एक वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सोमवार को एयरलाइंस अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में आगामी एआई परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। विमानन कंपनियां लंबे समय से ही कम लाख मार्जिन की आदी हैं, लेकिन एआई के जरिए इसके उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। अमेरिका स्थित फर्म बेन एंड कंपनी में एयरलाइन उद्योग के प्रमुख सलाहकार जेफ्री वेस्टन ने कहा, -एआई

एयरपोर्ट पर कई एआई पहल की शुरुआत
एयरपोर्ट के संचालक, ग्रुप एडीपी ने स्टार्टअप के सहयोग से कई एआई पहल शुरू की हैं, जिसमें एलोब्रेन भी शामिल है। इसे एयरपोर्ट पर फोन कॉल का जवाब देने के लिए आवाज की पहचान करने के लिए उपयोग किया जाता है। इस पहल से अनुरतिरित फोन कॉल की संख्या में गिरावट देखने को मिली। अनुरतिरित फोन कॉल की संख्या अब 50 फीसदी से घटकर 10 फीसदी तक हो चुकी है।

वास्तव में सही लोगों तक सही जानकारी जल्द से जल्द पहुंचाने में मददगार है।-जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए 40 से अधिक परियोजनाओं के साथ एयर फ्रांस-केएलएम ऐसा कर रहा है। फेंच-डच कंपनी की योजनाओं में एक ऐसा टूल है जो ग्राहकों को 85 अलग-अलग भाषाओं में जवाब देता है।

विज्ञापनदाताओं को देना होगा 18 जून से भ्रामक दावा संबंधी स्व-घोषणा प्रमाणपत्र

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और जिम्मेदार विज्ञापन व्यवहार को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। टीवी और रेडियो विज्ञापनों के मामले में स्व-घोषणा प्रमाणपत्र को 'ब्रॉडकास्ट सेवा' पोर्टल पर और प्रिंट, डिजिटल और इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की वेबसाइट पर जलना होगा।

सरकार ने सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों से स्व-घोषणा प्रमाणपत्र जमा करने को कहा जिससे यह स्पष्ट हो सके कि विज्ञापन में भ्रामक दावे नहीं किए गए हैं और यह नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन करता है।उच्चतम न्यायालय की तरफ से पिछले महीने जारी निर्देशों के मुताबिक, सभी नए प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए स्व-घोषणा देना जरूरी होगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्देश पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और जिम्मेदार विज्ञापन व्यवहार को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। टीवी और रेडियो विज्ञापनों के मामले में स्व-



घोषणा प्रमाणपत्र को 'ब्रॉडकास्ट सेवा' पोर्टल पर और प्रिंट, डिजिटल और इंटरनेट विज्ञापनों के लिए भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की वेबसाइट पर जलना होगा।इस स्व-घोषणा प्रमाणपत्र पर विज्ञापनदाता या विज्ञापन एजेंसी के अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर भी होने चाहिए।सभी विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों को 18 जून, 2024 या उसके बाद जारी/ प्रसारित/ प्रकाशित होने वाले सभी नए विज्ञापनों के लिए यह प्रमाणपत्र हासिल करना जरूरी है।सभी विज्ञापनदाताओं को स्व-प्रमाणन की प्रक्रिया से परिचित होने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने के लिए दो सप्ताह की बफर अवधि

रखी गई है।हालांकि, अभी प्रसारित या प्रकाशित हो रहे विज्ञापनों को स्व-प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी।दस्तावेज को प्रमाणित करना चाहिए कि विज्ञापन में भ्रामक दावे नहीं किए गए हैं और यह सभी प्रासंगिक नियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है। इसमें केवल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के नियम सात और भारतीय प्रेस परिषद के पत्रकारिता आचरण के मानदंड शामिल हैं। विज्ञापनदाता को संबंधित प्रसारक, मुद्रक, प्रकाशक या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मंच को उनके रिकॉर्ड के लिए स्व-घोषणा प्रमाणपत्र अपलोड करने का प्रमाण देना होगा।

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे, 7755 करोड़ रुपये के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली। 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं।

आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, "इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं।"सात अक्टूबर, 2023 तक 2000 रुपये के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। उन्नीस मई, 2023 से 2000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।



आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूद 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट को हटये जाने के बाद 2000 रुपये के बैंक नोट लाये गये थे।

खेल, मनोरंजन

भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ उतरेगी मैदान पर

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान रोहित शर्मा के साथ संजू सैमसन ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर उतरे थे। आमतौर पर यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हैं, लेकिन अभ्यास मैच के दौरान यशस्वी को मौका नहीं मिला। भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी।

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में यशस्वी जायसवाल की जगह संजू सैमसन को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग के लिए उतारा था। तभी से इस पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारत इस टूर्नामेंट में अपने शीर्ष क्रम में बदलाव करेगा? मैच से ठीक पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी इसे लेकर चुपची

तोड़ी, लेकिन अपने पते खोलने से साफ मना कर दिया। बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान रोहित शर्मा के साथ संजू सैमसन ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर उतरे थे। आमतौर पर यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हैं, लेकिन अभ्यास मैच के दौरान यशस्वी को मौका नहीं मिला। भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी।

विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ नहीं खेले थे।द्रविड़ ने कहा कि टीम के पास कई विकल्प मौजूद हैं और टीम प्रबंधन परिस्थिति को देखते हुए ही टीम का चयन करेंगे और परिस्थितियों को देखेंगे तब कोई निर्णय लेगे। अगर रोहित और कोहली ओपनिंग के तौर पर उतरे तो यशस्वी का क्या



यशस्वी और कोहली भी उपलब्ध हैं जिन्होंने आईपीएल में ओपनिंग के तौर पर शुरूआत की है। हम तीनों विकल्प को देखते हुए ही टीम का चयन करेंगे और परिस्थितियों को देखेंगे तब कोई निर्णय लेगे। अगर रोहित और कोहली ओपनिंग के तौर पर उतरे तो यशस्वी का क्या

होगा? क्या उन्हें तीसरे नंबर पर उतारा जाएगा या फिर वह प्लेस-11 का हिस्सा नहीं होंगे? यह ऐसा सवाल है जिस पर सभी की निगाहें होंगी। यशस्वी का प्रदर्शन आईपीएल 2024 में काफी निराशाजनक रहा था, वहीं दूसरी ओर कार दुर्घटना में गंभीर रूप से

भारत नहीं करेगा पिच की शिकायत

न्यूयॉर्क के नासाउ स्टेडियम की पिच को लेकर हाल ही में काफी चर्चा चली थी, लेकिन द्रविड़ का कहना है कि भारत पिच को लेकर कोई शिकायत नहीं करेगा। भारतीय कोच ने कहा कि उनकी टीम परिस्थितियों के साथ ढल जाएगी। द्रविड़ ने कहा, हमने यहां तीन अभ्यास सीजन रखे। तीसरे सीजन से विकेट थोड़ा बेहतर होता जा रहा है, लेकिन पिच तो पिच ही है। पिच के साथ-साथ आपको ढरना ही होता है। इसलिए हम इसे लेकर कोई शिकायत नहीं करने वाले हैं।

घायल होने के बाद वापसी करने वाले पंत ने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था।

अफगानिस्तान की टी20 विश्व कप में चौथी बड़ी जीत

गुयाना। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रहमानुल्लाह गुलबाज के 76 रन और इब्राहिम जादरान के 70 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में युगांडा की पूरी टीम 16 ओवर में 58 रन पर ढेर हो गई। फजलहक फारूकी के पांच विकेटों की मदद से अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से हराकर टी20 विश्व कप में बड़ी जीत दर्ज की। यह पुरुष टी20 विश्व कप में किसी टीम की चौथी सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रहमानुल्लाह गुलबाज के 76 रन और इब्राहिम जादरान के 70 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में युगांडा की पूरी टीम 16 ओवर में 58 रन पर ढेर हो गई। रियाजत अली शाह और रॉबिंसन ओबुया के अलावा युगांडा का अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका।

युगांडा के लिए रॉबिंसन ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। फारूकी के अलावा नबीन उल हक और कसान राशिद खान ने दो-दो विकेट झटकें। युगांडा का विश्व कप में यह पहला ही मैच था और टीम प्रभावित करने में पूरी तरह नाकाम रहें। युगांडा ने पुरुष टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया। नीदरलैंड के नाम इस वैश्विक टूर्नामेंट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। लक्ष्य का पीछ करने उतरी युगांडा की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिए। युगांडा की टीम अंत तक इन झटकों से उबर नहीं सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। अफगानिस्तान के लिए फजल हक फारूकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। इसी के साथ फजलहक अफगानिस्तान के लिए टी20 में किसी मैच में पांच विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के प्राइज मनी में की बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क। आईसीसी ने बताया कि विजेता टीम को 20.36 करोड़ रुपये (2.45 मिलियन यूएस डॉलर) मिलेंगे। पिछले किसी भी टी20 विश्व कप टीम में विजेता टीम को इतने रुपये नहीं मिले थे। आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए प्राइज मनी की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने टूर्नामेंट में प्राइज मनी का बजट 93.51 करोड़ रुपये (11.25 मिलियन यूएस डॉलर) रखा है, जो कि एक रिकॉर्ड है। यह पिछले सभी आईसीसी टी20 विश्व कप टूर्नामेंट से ज्यादा है। वहीं, पिछले साल भारत में हुए वनडे विश्व कप में प्राइज मनी का बजट 82.93 करोड़ रुपये (10 मिलियन अमेरिकी डॉलर) था। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 29

जून को होगा। आईसीसी ने सोमवार को बताया कि विजेता टीम को 20.36 करोड़ रुपये (2.45 मिलियन यूएस डॉलर) मिलेंगे। पिछले किसी भी टी20 विश्व कप टीम में विजेता टीम को इतने रुपये नहीं मिले थे। इस साल रिकॉर्ड 20 टीमों इस टूर्नामेंट में खेल रही हैं। इस वजह से इसे अब तक का सबसे बड़ा टी20 विश्व कप कहा जा रहा है। वहीं, फाइनल में हारने वाली टीम को 10.64 करोड़ रुपये (1.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से संतोष करना पड़ेगा। सेमीफाइनल खेलकर बाहर होने वाली टीमों को 6.54 करोड़ रुपये (787,500 यूएस डॉलर) मिलेंगे। दूसरे दौर यानी सुपर-8 राउंड को पार करने में नाकाम रहने वाली टीमों को 3.17 करोड़ रुपये (382,500 यूएस डॉलर) मिलेंगे।

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते समय आया शो बादल पे पांव है का आइडिया



अपकर्मिंग सीरियल बादल पे पांव है की निर्माता सरगुन मेहता ने शो के यूनीक कॉन्सेप्ट के बारे में कहा कि स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करने वाली महिला के ऊपर पहली बार किसी शो की कहानी बनाई गई है।सरगुन ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखना चाहती थी, और मेरे सभी दोस्त, मेरे पापा, मेरे भाई और यहां तक कि अब मेरी भाभी भी स्टॉक ट्रेडिंग करते हैं। जब मैं स्टॉक के बारे में सीख रही थी, तब यह आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैं सोचने लगी कि मैं यह क्यों करना चाहती हूं और किस तरह के लोग स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करते हैं।उन्होंने कहा, तभी बानी का किरदार मेरे दिमाग में आया। यह न केवल मेरे सभी शो से अलग है, बल्कि यह सभी टीवी शो से भी अलग है। सबसे पहले, यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। लंबे समय तक, महिलाएं केवल सिलाई या खाना पकाने का काम करती थीं क्योंकि उनके लिए करियर के ऑप्शन कम थे। इसलिए, उनमें जो भी स्किल थी, उन्होंने जो कुछ भी सीखा... उसे करियर में बदल दिया।सरगुन ने कहा, लेकिन आज की पीढ़ी किसी खास हुनर से बंधी नहीं है। उन्होंने अपने लिए करियर के नए रास्ते खोल लिए हैं। आज महिलाएं हर काम कर रही हैं, तो फिर शेरार बाजार में ट्रेडिंग क्यों नहीं।एक्स्ट्रेस अमनदीप सिद्धू द्वारा निभाए गए

बानी के किरदार को लेकर सरगुन ने कहा, इस किरदार की परिकल्पना काफी हद तक इस बात पर आधारित है कि मेरी परवरिश कैसे हुई है और मेरी मां कैसी हैं। हम ऐसे लोग हैं जो वाकई बड़े सपने देखते हैं। इसलिए, यह शो ऐसी लड़की की कहानी है जो उन सबसे सवाल कर रही है जो कहते हैं कि यही हमारी किस्मत है, और हम इसी में खुश हैं। वह उस सामाजिक मानदंड को चुनौती देती है।बानी के किरदार के लिए अमनदीप सिद्धू को चुनने पर सरगुन ने कहा, जब हमने अमनदीप का पहला ऑडिशन देखा तो मैं तुरंत उससे कनेक्ट हो गई। जब हमने उनके साथ मॉक शूट किया तो मेरे डायरेक्टर और मैं उन्हें चुनने के लिए 100 प्रतिशत राजी हो गए। हालांकि, मैं तब तक अमनदीप से नहीं मिली थी। लेकिन जब मैं पहली बार उससे मिली और उसे कुछ सीन सुनाए, तो मैंने उसकी आंखों में एक अलग चमक देखी।सरगुन ने कहा, उसने मुझे अपनी जिंदगी के कई ऐसे किस्से बताए जहां वह बिल्कुल बानी की तरह थी। उस पल, मुझे यकीन हो गया कि वह बानी ही है। अमनदीप बानी के बहुत करीब थीं और मुझे लगता है कि वह बस इस किरदार को अपनाने का इंतजार कर रही थीं। बादल पे पांव है 10 जून से सोनी सब पर प्रसारित होगा।

2024: नई एनडीए सरकार में शिवराज, सिंधिया का मंत्री बनना तय! बाकी की राह में गठबंधन का फंस सकता है

मध्य प्रदेश से दिग्गज नेताओं को नई केंद्र सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है

मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर मतगणना के रुझानों में भाजपा क्लीन स्वीप कर रही है। इससे प्रदेश के कई दिग्गज नेताओं के एनडीए की नई सरकार में मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

भोपाल/नवप्रदेश। लोकसभा चुनाव में भाजपा मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप करती नजर आ रही है। वहीं, एक बार फिर केंद्र में एनडीए की सरकार बनती दिख रही है। ऐसे में मध्य प्रदेश से दिग्गज नेताओं को नई केंद्र सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा का नाम भी चर्चा में आगे है। हालांकि, मंत्री पद की कतार में अन्य नेताओं के नाम भी हैं, लेकिन चूंकि भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, इसलिए इनके मंत्री बनने की राह में एनडीए के सहयोगी दलों की हिस्सेदारी का पेच फंस गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा संसदीय सीट से 8.21 लाख मतों से



जीत हासिल की है। देश में सर्वाधिक वोट से जीतने वाले नेताओं में शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए हैं। चार बार के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान छठवीं बार विदिशा से सांसद चुने गए। शिवराज सिंह चौहान की

प्रदेश और देश में मामा के रूप में पहचान है। शिवराज सिंह चौहान की लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन जैसी योजनाओं को दूसरे राज्यों ने अपनाया है। अब मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना को भी पिछले

सिंधिया को भी मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी ?

वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस चुनाव में 5.40 लाख वोटों से जीत दर्ज की है। पिछली बार कांग्रेस के टिकट पर वह भाजपा के केपी यादव से चुनाव हार गए थे। उनके भाजपा में शामिल होने के बाद उनको राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्री बनाया गया। उनको कद पार्टी में लगातार बढ़ाया गया। इस बार भी सरकार में उनको बड़ी जिम्मेदारी मिलना तय है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुत लाभ मिला है। शिवराज सिंह चौहान ओबीसी वर्ग से आते हैं। उनको केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी मिलना तय माना जा रहा है। इसके संकेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान हरदो की रैली में ही दे दिए थे। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा था कि उनको जिताने में उनको साथ ले जाना चाहता हूँ। ऐसे में एनडीए गठबंधन की सरकार बनने

पर शिवराज सिंह चौहान को केंद्र सरकार में कृषि मंत्री बनाया जा सकता है।

इनकी भी किस्मत खुलेगी

केंद्र सरकार में मंत्री फगन सिंह कुलस्ते ने मंडला लोकसभा सीट पर आठवीं बार जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के ओमकार सिंह मरकाम को एक लाख से अधिक वोटों से हराया। कुलस्ते को अनुसूचित जनजाति वर्ग

से आने के चलते फिर कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वहीं, टीकमगाढ़ से सांसद और वीरेंद्र खटीक को भी अनुसूचित जाति वर्ग से होने के चलते फिर मोदी सरकार में जगह मिल सकती है। इसके अलावा प्रदेश और देश में सबसे बड़ी 11 लाख 75 हजार वोटों से जीतने वाले शंकर लालवानी को भी इस बार मौका मिल सकता है। वह एकमात्र सिंधी वर्ग से आने वाले सांसद हैं। खरगोन से प्रत्याशी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पांच लाख 25 हजार वोटों से चुनाव जीता है। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नगर निगम और उप चुनाव में भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बार उनको भी केंद्र में कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

गठबंधन बन सकता है रोड़ा

देश में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में सरकार एनडीए गठबंधन के सहयोग से बनेगी। इसमें भाजपा को सहयोगी संगठनों की शर्तों के अनुसार आगे बढ़ना होगा। ऐसे में प्रदेश के नेताओं का केंद्रीय कैबिनेट में जगह मिलने में गठबंधन की शर्तें रोड़ा बन सकती हैं।

न्यूज गैलरी

विश्व पर्यावरण दिवस आज

पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे अस्पताल भवन



भोपाल/नवप्रदेश। पर्यावरण संवर्धन के लिए भोपाल जिले में अस्पताल भवनों को पर्यावरण सुरक्षा में मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। इन भवनों के निर्माण के दौरान ऐसे उपायों को अपनाया गया है जो कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने में उपयोगी हैं। भोपाल के हथाईखेड़ा में संचालित सिविल अस्पताल और सिविल अस्पताल बैरागढ़ के मैटर्निटी विंग के भवनों में पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखकर निर्माण करवाया गया है। ये दोनों भवन 100 बिस्तरीय क्षमता के हैं।

इन भवनों के निर्माण में फ्लाईंग ऐश ईटों का इस्तेमाल किया गया है जो कि इको फ्रेंडली होती है। अस्पतालों में वाटर हार्वैस्टिंग तकनीक अपनाई गई है, जिससे बारिश के पानी को संचित किया जा सके। पूरे अस्पताल में बिजली की खपत को कम करने के लिए एलईडी लाइट का इस्तेमाल किया गया है। लाइट और वेंटिलेशन के लिए अस्पतालों में ओपन टू स्काई एरिया बनाया गया है, जिससे बिजली की खपत कम हो। इन दोनों अस्पतालों में सोलर पैनल लगवाया जाना भी प्रस्तावित है।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए कायाकल्प अभियान के तहत सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छता, इन्फेक्शन कंट्रोल और हाइजीन प्रमोशन पर विशेष ध्यान देकर व्यवस्थापन सुनिश्चित की है। संस्थाओं में बायो मेडिकल वेस्ट की गाइडलाइन अनुसार कलर कोडेड डस्टबिन उपयोग में लाई जा रही हैं। साथ ही अलग - अलग डस्टबिन में डाले जाने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के पृथक्करण के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। स्वास्थ्य संस्थाओं में लगे रिस्क बोर्ड्स पर लेबलिंग की गई है, जिससे जरूरत न होने पर बिजली के उपयोग को न्यूनतम किया जा सके और ऊर्जा का अनावश्यक अपव्यय न हो।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि खराब पर्यावरण सबसे पहले हमारी सेहत को ही नुकसान पहुंचता है। पर्यावरण की सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से बचाव और उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर कार्य करता है। अब स्वास्थ्य संस्थाओं के निर्माण के दौरान उन सावधानियों और उपायों को अपनाया जा रहा है जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में पेड़ पौधों को लगाकर और संरक्षित कर ग्रीन एरिया भी विकसित किया जा रहा है।

शांतिपूर्ण चुनाव के लिए कलेक्टर ने टीम को सराहा

साथ में फोटो खिंचवा कर यादें सहेजी - उत्साह वर्धन कर सहयोग के लिए आभार जताया

सतना/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने लोकसभा निर्वाचन की सम्पूर्ण प्रक्रिया निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये जिले के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों, नागरिकों तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने टीम के सदस्यों का उत्साह वर्धन करते हुए उनके काम की सराहना की और उनके साथ फोटो खिंचवा कर स्मृतियां सहेजी। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन की चुनावी प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों को लागू कराने हेतु अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों के लोगों द्वारा दिये गये सक्रिय सहयोग के कारण सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। कलेक्टर वर्मा ने पुलिस एवं जिला प्रशासन से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों एवं



कर्मचारियों सहित केन्द्रीय कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में सौंपे गये दायित्वों का समय पर शत-प्रतिशत निर्वहन करने के लिये दिये गये सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मीडिया के सक्रिय सहयोग के चलते जिले में लोकसभा निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में मदद मिली। मीडिया ने भी संवेदनशीलता और संजीवनी से निर्वाचन प्रक्रिया के प्रचार-प्रसार में अर्पक्षित सहयोग दिया है।

एसपी ने भी टीम को सराहा

एसपी आशुतोष गुप्ता ने भी चुनाव में संवेदनशीलता और समर्पण के साथ ड्यूटी करने पर पुलिस अधिकारियों- कर्मचारियों के काम की सराहना की और उनका उत्साह बढ़ाया।

कूनों में एक और शावक की मौत : मादा चीता गामिनी का था शावक, पीएम रिपोर्ट के बाद होगा मौत का खुलासा



रथोपुर/नवप्रदेश। मंगलवार को कूनों नेशनल पार्क में एक और शावक की मौत हो गई। यह शावक मादा चीता गामिनी का था, जो वन विभाग अमले को मृत अवस्था में अपनी मां के पास पड़ा हुआ मिला। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं लग सका है। वन विभाग के डॉक्टरों ने शावक का पोस्टमार्टम करके मामले की जांच शुरू कर दी है। कूनों नेशनल पार्क प्रबंधन के अधिकारियों ने मंगलवार को शाम जानकारी दी है कि मंगलवार को मादा चीता गामिनी का एक शावक मृत अवस्था में मिला है। शेष शावक और चीते सुरक्षित हैं। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता लग सकेगा।

यहां बता दें कि कूनों नेशनल पार्क में 14 शावकों सहित कुल 27 चीते मौजूद थे, लेकिन मंगलवार को एक शावक की मौत होने के बाद अब कूनों में 13 शावक और 13 चीते रह गए हैं। कूनों में पिछले साल से लेकर अब तक 4 शावकों सहित कुल 11 चीतों की मौत हो चुकी है। 5 साल की गामिनी चीते ने 6 शावकों को जन्म दिया था लेकिन, एक की मौत होने के बाद अब उसके 5 शावक ही रह गए हैं।

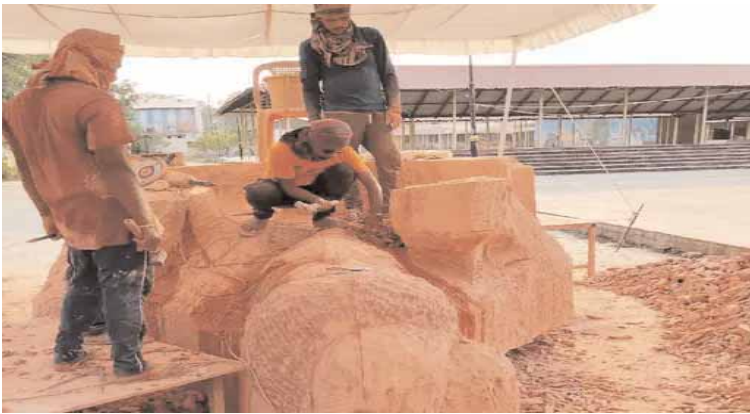
सिंहस्थ के पहले महाकाल लोक में लगेंगी नई मूर्तियां: पुरानी को चौराहों पर शिफ्ट करेंगे

पीसीसी चीफ बोले- भाजपा दूसरी बार करणन कर रही

उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन स्थित महाकाल लोक में 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले सभी 106 नई मूर्तियां लगेंगी। हाट बाजार में मूर्तियां बनाने का काम भी शुरू हो गया है। सबसे पहले सप्तऋषि की सात मूर्तियों को बनाया जाएगा। वर्तमान में यहां लगी मूर्तियों को चौराहों पर शिफ्ट किया जाएगा। इस पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार के लिए कहा, 'बीजेपी दूसरी बार करणन कर रही है।' 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल लोक का लोकार्पण किया था। इसके बाद से यहां भक्तों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई। इस बीच, 28 मई 2023 की शाम आंधी के चलते महाकाल लोक में स्थापित सप्तऋषि की 6 मूर्तियां गिर गईं। इसके बाद मूर्तियों की मजबूती को लेकर सवाल खड़े किए गए। कांग्रेस ने महाकाल लोक निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। प्रदर्शन करते हुए जांच की मांग की थी।

दो भागों में काम कर रही टीम

विक्रमादित्य शोध पीठ, हरिफाटक स्थित उज्जैन हाट बाजार में महाकाल लोक के लिए सप्त ऋषि की 7 मूर्तियों का निर्माण करवा रहा है। यहां ओडिशा के 10 कलाकार दिन-रात मेहनत कर मूर्तियों को



आकार दे रहे हैं। सप्त ऋषि की मूर्तियां राजस्थान के बंसी पहाड़पुर पत्थर से बनाई जा रही हैं। हालांकि राजस्थान से पत्थर आने में देरी के कारण सप्त ऋषियों की मूर्ति बनने में भी देरी हो रही है। ओडिशा के कलाकार बताते हैं कि दो अलग-अलग हिस्से में टीम काम कर रही है। पहली टीम सप्तऋषि की मूर्तियों को ऊंचे रखी है, तो वहीं दूसरी टीम मूर्तियों को रखने के लिए आधार बनाने का कार्य कर रही है।

महाकाल लोक की मूर्तियों को शिफ्ट करेंगे

विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि 5 जनवरी 2024 को विक्रमोत्सव को लेकर हुई बैठक में सीएम मोहन यादव ने निर्देश दिए थे कि मूर्तिकला की कार्यशाला होना चाहिए।

जिससे मालवा के लोग मूर्ति कला को रोजगार के रूप में अपना सकते हैं। सीएम ने कहा कि महाकाल लोक की फायबर की मूर्तियां भविष्य में खराब हो जाएंगी। इन मूर्तियों को चौराहों या अन्य जगह स्थापित करेंगे। शुरुआत में इन मूर्तियों को विक्रमशोध पीठ परिसर और कीर्ति मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

15 फीट की मूर्ति की लागत 20 से 25 लाख रुपए

श्रीराम तिवारी ने बताया कि आगामी सिंहस्थ कुम्भ से पहले सभी मूर्तियों को बदला जाएगा। फिलहाल, ओडिशा के कलाकार इन्हें बना रहे हैं। भविष्य में अन्य शहरों के कलाकार भी मूर्तियों को बनाने के लिए उज्जैन के हाट बाजार पहुंचेंगे। 15 फीट ऊंची एक मूर्ति की लागत करीब 20

कमी का कारण भी हो सकता है। यदि इसका शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार नहीं लिया जाए तो मलेरिया से रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। गर्भावस्था में मलेरिया गंभीर हो सकता है और जच्चा और बच्चा भी जान को भी खतरा हो सकता है। मलेरिया होने पर आरडीटी किट किट से जांच करवाकर मलेरिया उपचार नीति के अनुसार पूरा उपचार लेना आवश्यक होता है।

जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे ने बताया कि प्रदेश में मलेरिया फैलाने वाले दो परजीवी प्लाज्मोडियम फेल्लोफेरेम एवं प्लाज्मोडियम वाईवेक्स हैं। एनाफिलीज मच्छर रुके हुए साफ पानी में जैसे धान का खेत तालाब, गड्डे, कृत्रिम जलाशय, छत पर बनी हुई टंकी, जल एकत्रित करने के लिए जमीन के अंदर बनी टंकी, अनुपयोगी कुएं, जलधारा के किनारे से कूड़ा जल, नदियां, हैंड पंप, नल के आसपास जमा पानी, नहर में रुके हुए पानी इत्यादि में पनपता है।

से 25 लाख रुपए के बीच आएगी। सभी मूर्तियों को भारतीय मूर्ति कला का विधान की तरह बनाया जाएगा। जितनी जरूरत होगी, उतनी मूर्तियां बनाई जाएंगी। सीएम के निर्देश पर काम हो रहा है। हालांकि अब तक लिखा-पढ़ी नहीं हुई।

एफआरपी की 106 मूर्तियां खोजली बनाई गईं

7 मार्च 2019 को एमपी बाबरिया, सूरत को मूर्ति बनाने का वक़ अर्डर जारी किया गया था। अनुबंध में पत्थर की 60 मूर्तियां बनाने का उल्लेख था, लेकिन नवग्रह की 6 फीट ऊंची सिर्फ 9 मूर्तियां ही पत्थर से बनाई गईं। ऐसे ही एफआरपी की 100 मूर्तियां बनाने का उल्लेख था, लेकिन इसकी 106 मूर्तियां स्थापित करवाई गईं।

प्लान में पहले से ही था कि सन्नद्ध की मूर्तियों को अंदर से खोखला बनाकर अंदर स्टील या लोहे की रॉड से मजबूती दी जाएगी। संभवतः मूर्तियों के आधार में मजबूती नहीं होने के कारण ही मूर्ति गिरी हैं। मजबूती के लिए मूर्तियों में केमिकल डालकर इन्हें ठोस किया जा सकता था। इससे इनकी उम्र भी कई गुना बढ़ जाती। अभी फाइबर रीइन्फोर्स प्लास्टिक (एफआरपी) की जो मूर्तियां लगी हैं, उन्हें चौक-चौराहों पर लगाया जाएगा। सप्तऋषि भारद्वाज, विश्वामित्र, अत्रि, कश्यप, गौतम, जमदीन, वशिष्ठ की मूर्तियों की ऊंचाई 15 फीट होगी।